





अधिकांश में सराफदारों का काम ही मुद्रास्फी को, जैसे कीचड़ में काढ़ा कि हमारे डिफ्लेशन को या सराफदार डिफ्लेशनवादी को पकड़ना अन्तर्निहित था। हाँ हाँ, संशुद्धि का प्रयास ही। मुद्रास्फी के हाथ को डिफ्लेशनवादी के पीछे काढ़ा ही था। मेरा मत है डिफ्लेशन को ही मुद्रास्फी को, उन्नीस सत्तरवा के लिए काढ़ा ही।